सत्यमेव जयते

भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय

मत्स्यपालन विभाग

केंद्रीय मात्स्यिकी तटवर्ती इंजिनियरिंग संस्थान

वार्षिक रिपोर्ट 2021-22

पता :
इसरो स्टाफ आवास के सामने
जालहल्ली
बेंगलूरु – 560 013

फोन: 080-28385466 (निदेशक)
080-23457460
080-28385092
फैक्स: 080-28385093
ईमेल: 080-28385091
वेबसाईट: director@cicef.gov.in
cicef.gov.in

हम सोशल वेबसाइट पर हैं - हमें फ़ॉलो करें https://twitter.com/CICEF_Bengaluru

https://facebook.com/cicef.bengaluru

संपादकीय सहायता

दिव्या शर्मा, सहायक निदेशक (अर्थशास्त्री)

जि.के. कुमार, सहायक अभियंता

संकलन एवं संपादन

एन. रवि शंकर

उपनिदेशक (सिविल इंजिनियरिंग)

प्रकाशक:

एन. वेंकटेश प्रसाद

निदेशक

विषय सूची

पृष्ट सं

1.0 कें. म. त. इं. सं– एक अवलोकन.....1

1.1 परिचय.....1

1.2 संगठन.....1

1.3 अधिदेश 3

1.3.1 मात्स्यिकी बंदरगाह 3

1.3.2 तटीय जल कृषि फार्म एवं हैचरी.....3

2.0 संस्थान की उपलब्धियाँ.....3

2.1 वर्ष 2021-22 के दौरान उपलब्धियाँ.....4

2.1.1 तकनीकी – आर्थिक साध्यता रिपोर्ट (टी. ई. एफ. आर.).....4

2.1.2 पूर्वसाध्यता अध्ययन.....6

2.1.3 आर्थिक साध्यता अध्ययन.....8

2.1.4 तकनीकी टिप्पणियाँ एवं मूल्यांकन.....8

2.1.5 परियोजना की निगरानी/ चालू परियोजनाओं का तृतीय पक्षीय निरीक्षण.....9

2.1.6 मात्स्यि बंदरगाह और मत्स्य उतारने के केंद्र की क्षेत्र यात्रा.....10

3.0 सम्मेलन, कार्यशाला और प्रशिक्षण.....10

4.0 बैठकें 10

5.0 आगंतुक 13

6.0 प्रकाशन.....13

7.0 प्रशासन एवं वित्त 13

7.1 बजट खर्च.....13

7.2 नियुक्तियाँ.....14

7.3 सेवानिवृत्ति/प्रतिनियुक्ति/इस्तीफा.....14

7.4 संशोधित आश्वासनित कैरियर प्रगति (एम. ए. सी. पी.) योजना का कार्यान्वयन.....14

7.5 सतर्कता जागरूकता सप्ताह 14

7.6 आयोजन.....15

8.0 राजभाषा कार्यान्वयन / हिंदी शिक्षण योजना.....15

9.0 पुस्तकालय.....16

10.0 सूचना अधिकार (आर. टी. आई) का कार्यान्वयन 16

11.0 कर्मचारियों का कल्याण.....16

12.0 तस्वीरें 17

प्रस्तावना

बेंगलूरु में स्थित केंद्रीय मात्स्यिकी तटीय इंजिनियरिंग संस्थान (कें.म.त.इं.सं), भारत सरकार के मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, मत्स्यपालन विभाग का एक अधीनस्थ कार्यालय है। इस संस्थान को देश के मात्स्यिकी बंदरगाहों के विकास के लिए तकनीकी एवं आर्थिक साध्यता के संबंध में अध्ययन करने एवं रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस वार्षिक रिपोर्ट में संस्थान के प्रशासनिक, वित्तीय और तकनीकी गतिविधियों के बारे में जानकारी उपलब्ध है।

इस वार्षिक रिपोर्ट में, वर्ष 2021-22 के दौरान संस्थान के महत्वपूर्ण क्रिया-कलाप और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया है।

1.0 कें.म.त.इं.सं- एक अवलोकन

1.1 परिचय

जनवरी 1968 में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संस्थान (FAO/UN) के सहयोग के साथ भारत सरकार के कृषि मंत्रालय द्वारा संस्थान की स्थापना, मात्स्यिकी बंदरगाहों के निवेश पूर्व सर्वेक्षण के रुप में हुई। भारत के समुद्री तट पर योग्य स्थानों में मात्स्यिकी बंदरगाहों के विकास के लिए, इंजिनियरिंग एवं आर्थिक अन्वेषण करना, तकनीकी एवं आर्थिक साध्यता रिपोर्ट तैयार करना तथा यांत्रिक नौकाओं के लिए मात्स्यिकी बंदरगाह की सुविधा उपलब्ध कराना आदि इस संस्थान की स्थापना के मूल उद्देश्य थे। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन की सहायता समाप्त होने के पश्चात, जनवरी 1974 से लेकर दो साल तक की अवधि के लिए, संस्थान को स्वीडिश अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेन्सी (SIDA) से उपकरण एवं विशेषज्ञ परामर्श के रुप में तकनीकी सहायता प्राप्त हुई। अगस्त 1983 में "केंद्रीय मात्स्यिकी तटीय इंजिनियरिंग संस्थान" के रुप में इसका पुनर्नामकरण किया गया। विशेषज्ञों द्वारा विकसित किए जाने के पश्चात 1983 से लेकर संस्थान द्वारा उसकी परियोजनाओं के अंतर्गत, भारत के तटवर्ती क्षेत्र में जल कृषि इंजिनियरिंग एवं खारा पानी झींगी फार्मों की जरूरतों को पूरा किया जा रहा है। संस्थान को तटवर्ती जल संवर्धन झींगी फार्मों के विकास के लिए 1986 से 1991 तक UNDP/FAO से उपकरण तथा परामर्श के रुप में सहायता प्राप्त हुऐ।

1.2 संगठन

निदेशक संस्थान के प्रधान हैं और इस संस्थान के लिए स्वीकृत अधिकारियों/ कर्मचारियों की संख्या 47 है, इनमें तकनीकी तथा प्रशासनिक कर्मचारी शामिल हैं। पदों का ब्यौरा इस प्रकार है:

समूह	योजनेतर	
	तकनीकी	गैर-तकनीकी
क	10	-
ख(राजपत्रित)	03	01
ख (गैर राजपत्रित)	09	02
ग	07	15
कुल	**29**	**18**

संस्थान में इंजिनियरों एवं अर्थशास्त्रियों के सम्मिश्रित समूह कार्यरत है, जो मात्स्यिकी बंदरगाह और खारापानी झींगी फार्मों के विकास हेतु स्थान चुनने की दिशा में, अपेक्षित निवेश पूर्व अध्ययन करने, तकनीकी अर्थिक साध्यता रिपोर्ट तैयार करने, परियोजना एवं अन्य

सहायक सुविधाओं के लिए विस्तृत निर्माण योजना बनाने में विशिष्ट ज्ञान और व्यापक अनुभव रखते है। संस्थान की संगठन चार्ट नीचे दिए गए हैं।

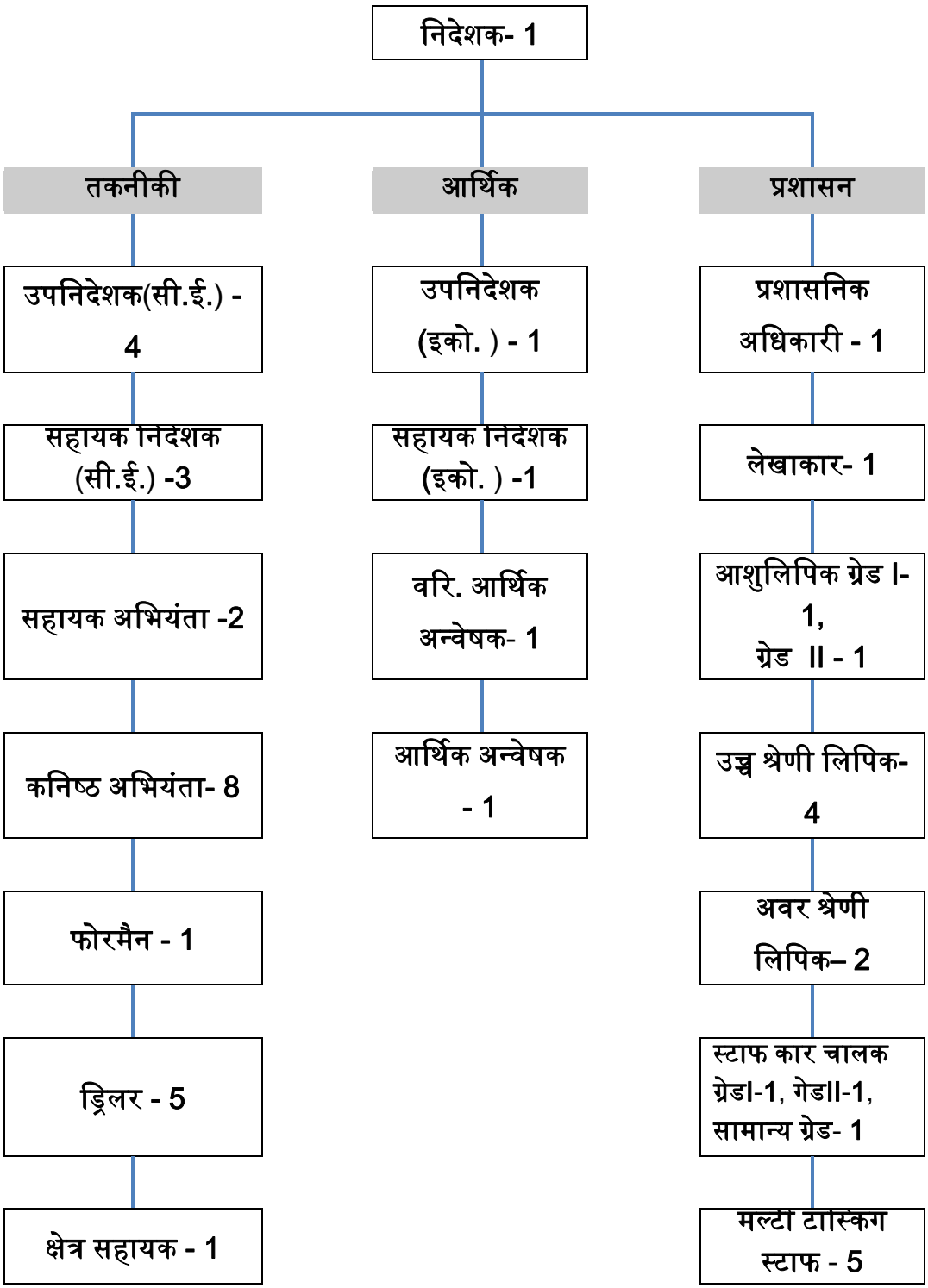

1.3 अधिदेश

मात्स्यिकी बंदरगाहों, तटीय जल कृषि फार्मों तथा हैचरियों के विकास के संबंध में इस संस्थान का अधिदेश इस प्रकार है:

1.3.1 मात्स्यिकी बंदरगाह

- मात्स्यिकी बंदरगाहों के विकास के लिए योग्य स्थान खोजने हेतु टोही सर्वेक्षण /साध्यता पूर्व अध्ययन करना तथा अनुवर्ती कार्य के रुप में विस्तृत इंजिनियरीग और आर्थिक अनुसंधान करना एवं तकनीकी आर्थिक साध्यता रिपोर्ट तैयार करना।
- मात्स्यिकी बंदरगाहों तथा पूरक सुविधाएं आदि के लिए प्रारंभिक निर्माण योजना तैयार करना।
- आवश्यकतानुसार मात्स्यिकी बंदरगाहों तथा मछली उतारने के केंद्रों के विकास के लिए अपेक्षानुसार, तकनीकी एवं आर्थिक सलाह देना।
- मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के सहयोग से, केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत, निर्माणाधीन मात्स्यिकी बंदरगाहों की प्रगति की निगरानी करना।

1.3.2 तटीय जल कृषि फार्म एवं हैचरी

- आर्थिक एवं इंजिनियरीग अन्वेषण करना, फार्मों केलिए उचित डिज़ाईन तैयार करना और तकनीकी-आर्थिक साध्यता रिपोर्ट तैयार करना।

2.0 संस्थान की उपलब्धियाँ

मार्च 2022 के अंत तक संस्थान ने मात्स्यिकी बंदरगाहों/ मछली उतारने के केंद्रों के विकास के लिए 104 स्थानों का अन्वेंषण किया और 122 (संसोधन सहित) स्थानों के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार की है।

यू.एन.डी.पी/ एफ.ए.ओ की सहायता की अवधि के दौरान चार खारापानी झींगा फार्म एवं झींगा बीज हैचरी विकसित किये गए। विश्व बैंक से सहायता प्राप्त खारापानी झींगी कृषि परियोजनाओं के अंतर्गत, संस्थान द्वारा कुल 9,640 हेक्टेयर क्षेत्र के 13 स्थानों का सर्वेक्षण और उनका अव-मृदा परीक्षण किया गया। उनमें से 10 स्थानों के कुल 3,826 हेक्टेयर उत्पादक तालाब क्षेत्र के लिए संस्थान द्वारा तकनीकी आर्थिक रिपोर्ट तैयार की गई। पश्चिम बंगाल के दिघा, कैन्निंग एवं दिघिरपुर तथा आंध्र प्रदेश के भैरव पालम झींगी फार्मों में प्रायोगिक कृषि भी की गई।

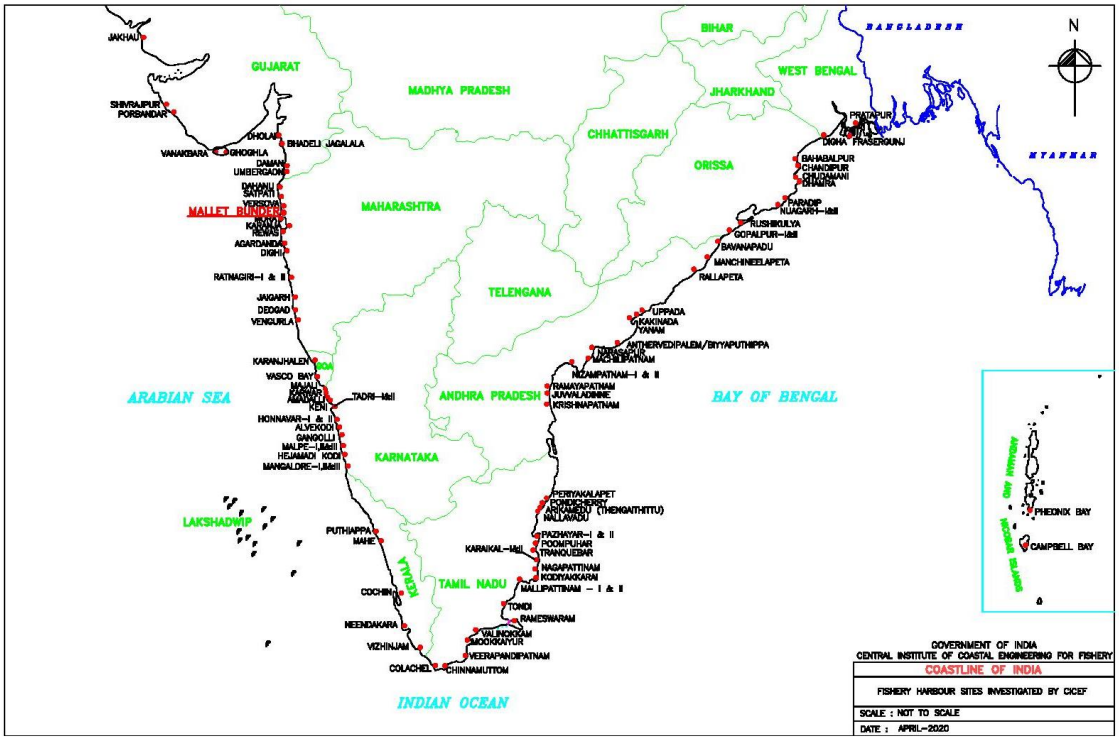

कें.म.त.इं.सं द्वारा अनुसंधित मत्स्यकी बंदरगाहों के स्थलों का नक्शा

2.1 2021-22 के दौरान उपलब्धियाँ

2.1.1 तकनीकी – आर्थिक साध्यता रिपोर्ट (टी. ई. एफ. आर.)

महाराष्ट्र के मैलेट बंदर में मात्स्यिकी बंदरगाह के विकसन हेतु टी.ई.एफ.आर. तैयार एवं जारी किया गया।

परियोजना की मुख्य विशेषताएं

- **नाव का आकार का डिजाइन**

क्रमांक	नाव का आकार और प्रकार	संख्या
1.	14.0 m ट्रालर	36
2.	16.0 m ट्रालर	194
3.	18.0 m ट्रालर	740
4.	18.0 m ट्रालर प्रवासी	202
5.	20.0 m ट्रालर	114
	कुल	1,286

प्रस्तावित तटीय सुविधाएं

- एम.एफ.वी. के लिए आर.सी.सी. खंभादार जेटी
- आर.सी. स्लोपिंग हार्ड
- तलकर्षण

प्रस्तावित भू-भाग सुविधाएं

- एम.एफ.वी. और मोटर चालित शिल्प के लिए नीलामी हॉल- 2 संख्या
- आंतरिक सड़क नेटवर्क
- नेट मरम्मत शेड
- रेस्टोरेंट एवं मछुआरे विश्राम शेड
- नाव मरम्मत की दुकान
- सार्वजनिक शौचालय- 2 संख्या
- कार्यशाला
- मछली बाजार
- ताजा पानी की आपूर्ति और वितरण प्रणाली
- विद्युत सबस्टेशन, हाई मास्ट लाइट, स्ट्रीट लाइटिंग आदि सहित आंतरिक विद्युत आपूर्ति और वितरण प्रणाली
- मछली पालन बंदरगाह की सुरक्षा- उठी हुई चारदीवारी, सुरक्षा घर आदि के रूप में
- हरियाली और भूनिर्माण
- अग्निशामक और
- मौजूदा सुविधाओं में सुधार एवं नवीनीकरण

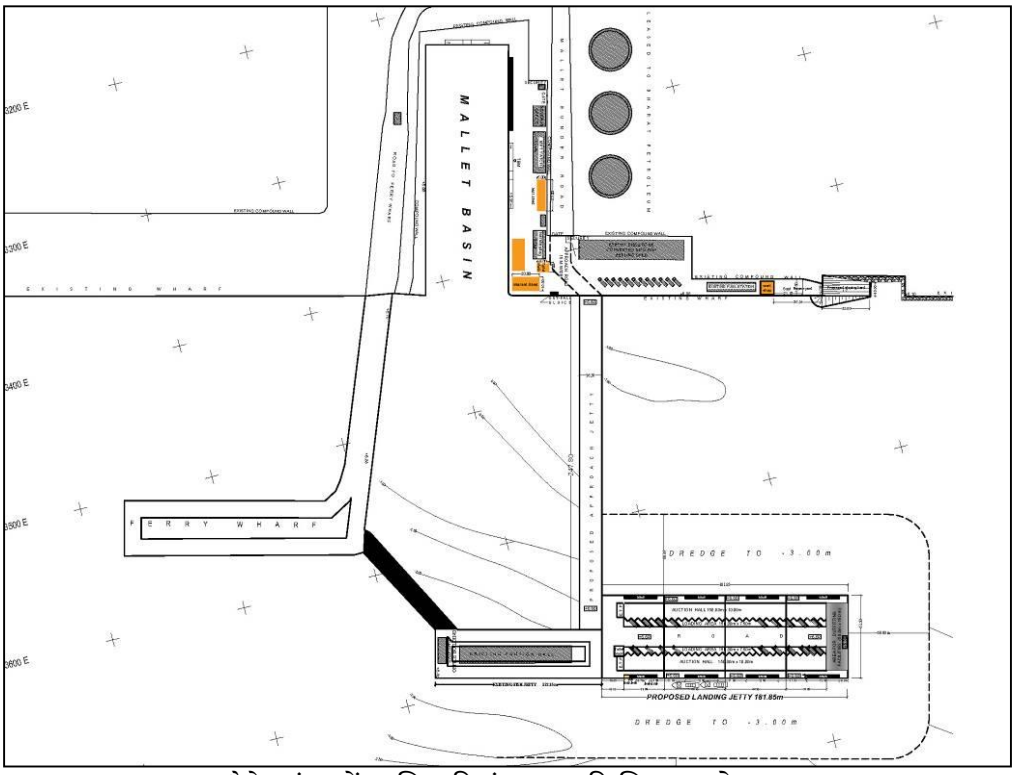

मैलेट बंदर में मात्स्यिकी बंदरगाह की विन्यास योजना

2.1.2 पूर्वसाध्यता अध्ययन

क) गहरा-समुद्र मात्स्यिकी बंदरगाह के विकास के लिए जंगलीघाट, अंडमान व निकोबार द्वीप समूह पर पूर्व साध्यता अध्ययन रिपोर्ट तैयार एवं जारी की गयी।

ख) महाराष्ट्र के ठाणे जिल्ले में फैले 06 स्थलों पर पूर्व साध्यता अध्ययन रिपोर्ट (चरण - 2) तैयार एवं जारी की गयी।

जिला	साइट का नाम	सिफारिश की गयी
ठाणे	घनसोली	मछली उतारने का केंद्र
	भाटे बंदर	मछली उतारने का केंद्र
	देवतलाब	मछली उतारने का केंद्र
	उत्तानपाली	मछली उतारने का केंद्र
	डोंगरी लाडोबा	मत्स्य बंदरगाह
	आर.एन.पी. पार्क कोलीवाड़ा	मछली उतारने का केंद्र

ग) महाराष्ट्र के पालघर जिल्ले में फैले 11 स्थलों पर पूर्व साध्ययता अध्ययन रिपोर्ट (चरण -2) तैयार एवं जारी की गयी।

जिला	साइट का नाम	सिफारिश की गयी
पालघर	नाइगाँव	मछली उतारने का केंद्र
	कोचिवाड़े	मछली उतारने का केंद्र
	वसाई	मछली उतारने का केंद्र
	रनगाँव	मछली उतारने का केंद्र
	नवापुर	मछली उतारने का केंद्र
	अरनाला	सिफारिश नहीं की गई
	तेंभी	मछली उतारने का केंद्र
	सातपति	मत्स्य बंदरगाह
	मुरबे	मछली उतारने का केंद्र
	उचेली-दांडी	मछली उतारने का केंद्र
	दहानु	मत्स्य बंदरगाह

घ) महाराष्ट्र के मुंबई जिल्ले में फैले 8 स्थलों पर पूर्व साध्यता अध्ययन रिपोर्ट (चरण -2) तैयार एवं जारी की गयी।

जिला	साइट का नाम	सिफारिश की गयी
मुंबई	वांद्रे	मछली उतारने का केंद्र
	खार	मछली उतारने का केंद्र
	पटीलपाड़ा	मछली उतारने का केंद्र
	वरिनिपाड़ा	मछली उतारने का केंद्र
	मारवे	मछली उतारने का केंद्र
	एरंगलभाटी	मछली उतारने का केंद्र
	मनोरी	मछली उतारने का केंद्र
	गोराई	मछली उतारने का केंद्र

ङ) ससून गोदी, मुंबई में मात्स्यिकी बंदरगाह के आधुनिकीकरण के पुनर्गठित प्रस्ताव पर मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार और प्रस्तुत कीगयी।

च) देश में 17 लघुमत्स्य बंदरगाह के आधुनिकीकरण/उन्नयन पर एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार और प्रस्तुत की गयी।

2.1.3 आर्थिक साध्ययता रिपोर्ट

- अंडमान व निकोबार के जंगलीघाट में मछली बंदरगाह के लिए आर्थिक मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार और जारी की गयी।
- केरल केअर्थुङ्गल मछली बंदरगाह के लिए आर्थिक मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार और जारी की गयी।
- ओडिशा के बहबलपुर मछली बंदरगाह के लिए आर्थिक मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार और जारी की गयी।
- ओडिशा के चूड़ामणि मछली बंदरगाह के लिए आर्थिक मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार और जारी की गयी।
- तमिलनाडु के कीलमाट्टोम मछली उतारने का केंद्र के लिए आर्थिक मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार और जारी की गयी।
- तमिलनाडु के थूथुकुड़ी मछली बंदरगाह के लिए आर्थिक मूल्यांकन रिपोर्ट तैयार और जारी की गयी।

2.1.4 तकनीकी टिप्पणियाँ और मूल्यांकन

- केरल के कोचीन में थोप्पुमपाडी प्रमुख मात्स्यिकी बंदरगाह के आधुनिकीकरण के लिए रिपोर्ट तैयार और जारी की गयी।
- केरल के आर्थुंगल मात्स्यिकी बंदरगाह के विकास की जांच की और तकनीकी टिप्पणियों की पेशकश की गयी।
- "मत्स्य बंदरगाहों और मछली उतारने केंद्रों के लिए ब्रेकवाटर निर्माण में जियो -ट्यूबों के प्रयोग के लिए विश्लेषण और लागत की तुलना" पर एक रिपोर्ट तैयार और प्रस्तुत की गयी।
- ओडिशा के पारादीप मत्स्य बंदरगाह के ड्रेजिंग पर रिपोर्ट तैयार और जमा कीगयी।
- ओडिशा के चूड़ामणि में मात्स्यिकी बंदरगाह के विकास के लिए लागत अनुमान को अंतिम रूप दिया गया।
- ओडिशा के कसिया, कालूपाड़ा घाट और सोराना में मत्स्य उतारने के केंद्रों के विकास के लिए लागत अनुमान को अंतिम रूप दिया गया।
- पी.एम.एम.एस.वाई. के तहत आंध्र प्रदेश के पश्चिम गोदावरी जिले के नरसापुर मंडल के बिय्यापुथिप्पा में मात्स्यिकी बंदरगाह के विकास के प्रस्ताव की जांच की गयी।
- तमिलनाडु के नागपट्टिनम में मौजूदा मात्स्यिकी बंदरगाह में सुधार और अतिरिक्त सुविधाओं के निर्माण के प्रस्ताव की जांच की गयी।

- तमिलनाडु के थूथुकुडी में मात्स्यिकी बंदरगाह के आधुनिकीकरण के प्रस्ताव की जांच की गयी ।
- तमिलनाडु के नागपट्टिनम जिले के वेल्लपल्लम में मात्स्यिकी बंदरगाह के विकास के प्रस्ताव की जांच की गयी ।
- तमिलनाडु में मछली उतारने केंद्रों के विकास के लिए निम्नलिखित प्रस्तावों की छानबीन की गयी :

    i) थूथुकुडी जिले में थरुवैकुलम।
    ii) रामनाथपुरम जिले में मंडपम (उत्तर)।
    iii) रामनाथपुरम जिले में मंडपम (दक्षिण)।
    iv) पुदुकोट्टई जिले में कोट्टईपट्टिनम।
    v) पुदुकोट्टई जिले में वडक्कमपट्टिनम।
    vi) पुडुकोट्टई जिले में पुथुकुडी।
    vii) कडलोर जिले में पोर्टोनोवो-अन्नानकोविल।
    viii) कडलोर जिले में मुडसलोडई।
    ix) नागपट्टिनम जिले में चंद्रपडी ।
    x) नागपट्टिनम जिले में वनगिरी।
    xi) नागपट्टिनम जिले में कीलाथोट्टम।
    xii) रामनाथपुरम जिले में कीलामुंधल।
    xiii) तिरूनल्वेली जिले में अरुविकारई।

2.1.5 परियोजना की निगरानी/ चालू परियोजनाओं का तृतीय पक्षीय निरीक्षण

- गोवा राज्य में सी.एस.एस के तहत स्वीकृत मत्स्य बंदरगाह परियोजनाओं की स्थिति पर एक जाँच रिपोर्ट तैयार और प्रस्तुत की गई।
- कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिलों में चल रहे मत्स्य संबंधी सभी कार्यों का तृतीय पक्षीय निरीक्षण की गयी।

2.1.6 मात्स्यि बंदरगाह और मत्स्य उतारने के केंद्र की क्षेत्र यात्रा

- मत्स्य बंदरगाह के आधुनिकीकरण प्रस्ताव के सिलसिले में पारादीप का दौरा किया गया।
- मात्स्यिकी बंदरगाहों के विकास के लिए उपयुक्त स्थलों की पहचान करने के लिए अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का दौरा किया गया।
- गोवा के चार स्थलों पर (मालिम, कुटबोना, कोरटालिम और छपोरा) जारी मत्स्य बंदरगाह निर्माण का निरीक्षण किया गया।
- सागर परिक्रमा के तहत पोरबंदर और वेरावल मत्स्य बंदरगाह स्थलों का दौरा किया गया।
- बिहार में गंगा और गंडक नदियों के किनारे पांच अंतर्देशीय मछली उतारने के केंद्रों का पूर्व-साध्यता रिपोर्ट तैयार करने के लिए इन स्थलों का दौरा किया गया –"पटना जिले में फतुहा, वैशाली जिले में गंगा घाट और सिपाही टोला घाट, बेगूसराय जिले में बछवाड़ा, कटिहार जिले में कड़ागोला घाट और मुंगेर जिले में लल्लू पोखर"।
- सी.एम.ए.सी. बैठक के दौरान लिए गए निर्णय के अनुसार तमिलनाडु के नागपट्टिनम जिले के वेल्लपल्लम मात्स्यिकी बंदरगाह स्थल का दौरा किया गया।

3.0 सम्मेलन, कार्यशाला और प्रशिक्षण

- आज़ादी का अमृत महोत्सव (AKAM) के संबंध में मात्स्यिकी बंदरगाह/मछली उतारने के केंद्र परियोजनाओं के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।

4.0 बैठकें

कें.म.त.ई.सं. के निदेशक और अधिकारीगण ने निम्नलिखित आभासी बैठकों में भाग लिया।

- 15 जून, 2021 को मत्स्य विभाग के संयुक्त आयुक्त (मत्स्य पालन) की अध्यक्षता में केरल और तमिलनाडु सरकारों द्वारा फ्लोटिंग जेटी प्रस्ताव।
- 17 जून, 2021 को मत्स्य विभाग के संयुक्त सचिव (समुद्री मत्स्यपालन) की अध्यक्षता में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का समग्र विकास।

- 04 अगस्त, 2021 को मत्स्य विभाग के संयुक्त सचिव (समुद्री मत्स्यपालन) की अध्यक्षता में तमिलनाडु मतस्य बंदरगाह के सीवीड परियोजना पर ।
- दिनांक 02 सितंबर, 2021 को मत्स्य विभाग के संयुक्त सचिव (समुद्री मत्स्यपालन) की अध्यक्षता में द्वीप समूह कार्य योजना 2025 का समग्र विकास।
- दिनांक 02 सितंबर, 2021 को मत्स्य विभाग के संयुक्त सचिव (समुद्री मात्स्यिकी) की अध्यक्षता में मत्स्य संस्थानों का विलय।
- 17 सितंबर, 2021 को मत्स्य विभाग के सचिव (मत्स्यपालन) की अध्यक्षता में चार प्रमुख मात्स्यिकी बंदरगाहों के आधुनिकीकरण का प्रस्ताव।
- 21 सितंबर, 2021 को मत्स्य विभाग के संयुक्त सचिव (समुद्री मात्स्यिकी) की अध्यक्षता में बिहार में गंगा और गंडक नदियों के किनारे मत्स्य अधोसंरचना का विकास।
- 06 अक्टूबर, 2021 को मत्स्य विभाग के संयुक्त सचिव (समुद्री मत्स्यपालन) की अध्यक्षता में बजट अनुमान 2022-23 और संशोधित अनुमान 2021-22 पर बैठक।
- दिनांक 22 अक्टूबर, 2021 को मत्स्य विभाग के संयुक्त सचिव (समुद्री मत्स्यपालन) की अध्यक्षता में लंबित मामलों पर बैठक।
- 02 नवंबर, 2021 को कर्नाटक सरकार के मात्स्यिकी निदेशक की अध्यक्षता में तदडी चरणII के विकास में प्रशिक्षण दीवार का संरेखण।
- 08 नवंबर, 2021 को पारादीप पोर्ट ट्रस्ट के तहत पारादीप मत्स्य बंदरगाह का आधुनिकीकरण प्रस्ताव।
- 08 नवंबर, 2021 को सचिव (मत्स्य), मत्स्य विभाग की अध्यक्षता में महाराष्ट्र और गोवा में मत्स्य बंदरगाहों की स्थिति पर बैठक ।
- 08 नवंबर, 2021 को भारत सरकार के मत्स्य विभाग के संस्थानों के व्यय की स्थिति पर बैठक।
- 10 नवंबर, 2021 को मत्स्य विभाग के संयुक्त सचिव (समुद्री मत्स्यपालन) की अध्यक्षता में मत्स्य संस्थानों के विलय पर पदों का युक्तिकरण।
- 16 दिसंबर, 2021 को भारत सरकार के मत्स्य विभाग द्वारा ससूनडॉक और गोवा के मतस्य बंदरगाह परियोजनाओं के स्क्रीनिंग समिति की बैठक आयोजित की गई।
- 20 दिसंबर, 2021 को मत्स्य विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन।
- 27 दिसंबर, 2021 को आई.आई.टी. चेन्नई द्वारा पारादीप मत्स्य बंदरगाह तटसंरक्षण कार्य पर बैठक।

- केंद्रीय शीर्ष समिति की बैठक 29 दिसंबर, 2021 को मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार द्वारा आयोजित की गई।
- 31 दिसंबर, 2021 को मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा पर बैठक।
- 18 जनवरी 2022 को जीएसटी सर्किल, बेंगलुरु द्वारा स्रोत पर कर कटौती (टी.डी.एस.) जी.एस.टी. पर बैठक।
- मात्स्यिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा 21 जनवरी, 2022 को आयोजित को चीन प्रमुख मात्स्यिकी बंदरगाह के आधुनिकीकरण पर मात्स्यिकी अवसंरचना परियोजनाओं (TSCFIP) की तीसरी तकनीकी जांच समिति की बैठक।
- 22 जनवरी, 2022 को भारत सरकार के मत्स्य विभाग द्वारा आयोजित असम में अंतर्देशीय मत्स्य परियोजनाओं पर बैठक।
- 28 जनवरी, 2022 को महाराष्ट्र मत्स्य विकास निगम, मुंबई द्वारा संचालित महाराष्ट्र में आनंदवाड़ी (देवगढ़) मत्स्य बंदरगाह परियोजना में पुनरुद्धार पर तकनीकी समिति की बैठक।
- 31 जनवरी, 2022 को भारत सरकार के मत्स्य विभाग द्वारा संचालित गुजरात में मात्स्यिकी बंदरगाह परियोजनाओं की स्थिति पर बैठक।
- 15 फरवरी, 2022 को भारत सरकार के मात्स्यिकी विभाग द्वारा आयोजित चेन्नई और कोचीन प्रमुख मत्स्य बंदरगाहों के आधुनिकीकरण पर परियोजना मूल्यांकन और निगरानी इकाई (पी.ई.एम.यू.) की 7वीं बैठक।
- 22 फरवरी, 2022 को मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार की वार्षिक रिपोर्ट तैयार करने पर बैठक ।
- 24 फरवरी, 2022 को भारत सरकार के मत्स्य विभाग द्वारा आयोजित चेन्नई और कोचीन प्रमुख मत्स्य बंदरगाह के आधुनिकीकरण पर 7वीं केंद्रीय शीर्ष समिति (CAC) की बैठक।
- 11 मार्च, 2022 को मत्स्य पालन विभाग, भारत सरकार द्वारा संचालित मत्स्य बंदरगाह से संबंधित योजनाए पर बैठक ।
- 18 मार्च, 2022 को भारत सरकार के मत्स्य विभाग द्वारा आयोजित विशाखापट्टनम् प्रमुख मत्स्य बंदरगाह के आधुनिकीकरण पर मत्स्य अवसंरचना परियोजनाओं (TSCFIP) की 5वीं तकनीकी जांच समिति की बैठक।

- 24 मार्च, 2022 को भारत सरकार के मत्स्य विभाग द्वारा आयोजित महाराष्ट्र, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और उत्तराखंड की मत्स्य परियोजनाओं पर मात्स्यिकी अवसंरचना परियोजनाओं (TSCFIP) की छठी तकनीकी जांच समिति।
- 30 मार्च, 2022 को मत्स्य विभाग, भारत सरकार द्वारा आयोजित संस्थान की वार्षिक कार्य योजना पर बैठक।
- भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) द्वारा आयोजित पत्तन, बंदरगाहों और अपतटीय प्रतिष्ठानों की अनुभागीय समिति की बैठक।

5.0 आगंतुक

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार और समुद्री तटीय राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारी, जिन्होंने चर्चाओं, निरीक्षणों, बैठकों आदि के लिए इस संस्थान का दौरा किया, उनका विवरण नीचे दिया गया है:

तमिलनाडु सरकार

- एफ.आई.डी.एफ. के तहत प्रस्तावित मात्स्यिकी बंदरगाह परियोजनाओं के विकास के संबंध में राज्य मत्स्य विभाग के इंजीनियरों ने दौरा किया।

अन्य

- करंजा मात्स्यिकी बंदरगाह , महाराष्ट्र के मछुआरा समाज के प्रतिनिधियों ने चल रहे करंजा फिशरी हार्बर परियोजना के संबंध में दौरा किया।

6.0 प्रकाशन

- वार्षिक रिपोर्ट 2020-21

7.0 प्रशासन एवं वित्त

7.1 बजट खर्च

वित्तीयवर्ष 2021-22 के दौरान 505.00 लाख रुपये के बजट अनुमान (बी.ई.) और गैर योजना के तहत 402.17 लाख रुपये के संशोधित अनुमान (आर.ई.) के जगह पर 400.62 लाख रुपये का व्यय किया गया है।

7.2 नियुक्तियाँ

निम्नलिखित कर्मचारी संस्थान में शामिल हुए।

- श्री शिशपाल, उच्च श्रेणी लिपिक 14 जुलाई 2021 को
- कुमारी अंकिता कुशवाहा, उच्च श्रेणी लिपिक 02 अगस्त 2021 को
- श्री धीरजकुमार,उच्च श्रेणी लिपिक 03 अगस्त 2021 को
- श्री मनु प्रताप, एम.टी.एस. 23 अगस्त 2021 को
- श्री अजिन जेम्स, कनिष्ठ अभियंता 16 मार्च 2022 को

7.3 सेवानिवृत्ति / प्रतिनियुक्ति / इस्तीफा

- श्री एम.एस. मधुमोहन, फोरमैन (ड्रिलिंग) 31 मार्च, 2022 को सेवा निवृत्त हुए।

7.4 संशोधित आश्वासनित कैरियर प्रगति योजना (एम. ए. सी. पी.) का कार्यान्वयन

इस संस्थान के कर्मचारियों को एम.ए.सी.पी.एस. के तहत वित्तीय उन्नयन के अनुदान के मामलों पर विचार करने के लिए एक विभागीय जांच समिति का गठन किया गया।

समिति ने 21 फरवरी 2022 को अपनी बैठक की, जिसमें तीसरे वित्तीय उन्नयन के अनुदान के लिए निम्नलिखित मामले पर विचार किया और मंजूरी दी:

1. श्री. जी.के. कुमार, कनिष्टअभियंता

7.5 सतर्कता जागरूकता सप्ताह

केंद्रीय सतर्कता आयोग (सी.वी.सी.), नई दिल्ली के निर्देश के अनुसरण में, सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 26 अक्टूबर से 1 नवंबर, 2021 तक "सतर्क स्वतंत्रभारत @ 75: ईमानदारी के साथ आत्मनिर्भरता" विषय के साथ मनाया गया है। सप्ताह के दौरान निम्नलिखित गतिविधियां की गईं।

क) सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को सतर्कता जागरूकता सप्ताह अखंडता प्रतिज्ञा निदेशक, कें.म.त.इं.सं द्वारा दी गई।

ख) अधिकारियों और कर्मचारियों को वेबसाइट के माध्यम से केन्द्रीय सटकर्ता आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध अखंडता प्रतिज्ञा लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया और प्रतिज्ञा लेने वालों को रिकॉर्ड करने की भी सलाह दी गई।

ग) सतर्कता जागरूकता सप्ताह का बैनर प्रवेश द्वार पर और सम्मेलन कक्ष में पूरे सप्ताह के लिए प्रदर्शित किया गया।

घ) सतर्कता की गतिविधियों में पारदर्शिता लाने के लिए भवन के भूतल पर एक नोटिस बोर्ड बनाया गया है ताकि सतर्कता गतिविधियों से संबंधित सभी महत्वपूर्ण संचारों को प्रदर्शित किया जा सके।

ङ) "सतर्क स्वतंत्र भारत@ 75: ईमानदारी के साथ आत्मनिर्भरता" के विषय पर एक परस्पर संवादात्मक सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र को अधिकारियों ने जानकारी पूर्ण और लाभदायक पाया।

च) सभी अधिकारियों को सुशासन के मानकों से अवगत कराया गया।

7.6 आयोजन

- 21 जून 2021 को अंतराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया ।
- 15 अगस्त, 2021 को 75वां स्वतंत्रता दिवस और 26 जनवरी, 2022 को 73वां गणतंत्र दिवस संस्थान में देशभक्ति के उत्साह के साथ मनाया गया।
- 14 सितंबर 2021 को हिंदी दिवस मनाया गया।
- 26 अक्टूबर से 01नवंबर 2021 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया।
- कन्नड़ राज्योत्सव 01 नवंबर 2021 को मनाया गया।
- संविधान दिवस 22 नवंबर, 2021 को मनाया गया।
- स्वच्छता पखवाड़ा 16 से 31 दिसंबर 2021 के बीच मनाया गया।
- 23 दिसंबर, 2021 को आजादी का अमृत महोत्सव के संबंध में मात्स्यिकी बंदरगाह/मत्स्य उतारने केंद्र के परियोजनाओं के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने पर वेबिनार का आयोजन ।
- महिला दिवस 08 मार्च 2022 को मनाया गया।

8.0 राजभाषा कार्यान्व्यन / हिंदी शिक्षणयोजना

भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन के संबंध में विभिन्न गतिविधियाँ की गईं।

निम्नलिखित सदस्यों से युक्त राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है। समिति द्वारा शासकीय पत्र-व्यवहार में समय-समय पर हिंदी के प्रगतिशील उपयोग हेतु बैठक और समीक्षा की गई:

सर्वश्री	एन वेंकटेश प्रसाद, निदेशक	अध्यक्ष
	एन रवि शंकर ,उपनिदेशक (सीई)	सदस्य
	एम बी बेल्लियप्पा,उपनिदेशक (सीई)	सदस्य
	एन के पात्रा, उपनिदेशक (अर्थशास्त्र)	सदस्य

संस्थान में दिनांक 14 सितंबर 2021 को हिंदी दिवस एवं दिनांक 13 से 24 सितंबर 2021 तक हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया गया।

9.0 पुस्तकालय

संस्थान के ग्रंथालय में तकनीकी एवं प्रशासन से संबंधित कई किताबें / जर्नल उपलब्ध हैं। इस वर्ष के दौरान 5 नई पुस्तकों को संग्रह में जोड़ा गया।

10.0 सूचना अधिकार (आर.टी.आई.) का कार्यान्व्यन

इस वर्ष के दौरान संस्थान को सूचना अधिकार अधिनियम के अधीन 16 आवेदन प्राप्त हुएं और उनके लिए अपेक्षित सूचना दी गई।

11.0 कर्मचारियों का कल्याण

• श्री एम.एस. मधुमोहन, फोरमैन (ड्रिलर) 31 मार्च, 2022 को सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह आयोजित किया गया।

• मत्स्यपालन विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा एम.ए.सी.पी.एस. के तहत निम्नलिखित अधिकारियों को प्रथम वित्तीय उन्नयन प्रदान किया गया:

1. श्री. एन रविशंकर, उपनिदेशक (सी.ई.)
2. श्री. एम.बी. बेलियप्पा, उपनिदेशक (सी.ई.)
3. श्री. एन. कृष्णमूर्ति, उपनिदेशक (सी.ई.)

12.0 तस्वीरें

आधुनिकीकरण प्रस्ताव के लिए पारादीप मात्स्यिकी बंदरगाह का दौरा

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में पूर्व-साध्यता अध्ययन

बिहार में पूर्व-साध्यता अध्ययन